भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई), पश्चिमी क्षेत्र "महाधन पुरस्कार 2014-15" के विजेताओं की घोषणा

पुणे,23 जून: भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई) पश्चिमी क्षेत्र ने बुधवार, 23 जून 2015 को पुणे होटल ली-मेरिडियन, पुणे में आयोजित अपनी वार्षिक आम बैठक के दौरान '2014-15 के लिए महाजन पुरस्कार' के विजेताओं की घोषणा की।इस आयोजन की अध्यक्षता डॉ एस. के. नंदा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, जीएसएफसी ने की थी एक प्रमुख उर्वरक ब्रांड "महाधन", भारत में उन्नत उर्वरकों को पेश करके अपने निर्मित उत्पादों की श्रेणियों का विस्तार करता है।

दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएफपीसीएल) और राष्ट्रीय केमिकल्स कंपनी लिमिटेड (आरसीएफ) ने 'उर्वरक विस्तार सेवाओं में उत्कृष्टता' और 51,000 रुपये का नकद पुरस्कार के लिए पुरस्कार साझा किया। यह पुरस्कार श्री अरविंद कुलकर्णी, श्री विजयराव पाटिल और श्री रघुनाथ नेवसे के द्वारा प्राप्त किया गया था। नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) को **'उर्वरक विस्तार सेवाओं में उत्कृष्टता'** में सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। कृषक भारती सहकारी लिमिटेड(कृभको) और गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लिमिटेड (जीएसएफसी) ने 'महाधन पुरस्कार' में उत्कृष्टता और **"फसल उत्पादकता सुधार में उत्कृष्टता"** के लिए 51,000 रुपये का नकद पुरस्कार साझा किया।

एफएआई - पश्चिमी क्षेत्र ने उद्योग के सदस्यों को जिलावार और फसल-वार वैज्ञानिक प्रदर्शन आवंटित किए हैं खरीफ और रबी 2014-15 के दौरान महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गोवा के पश्चिमी क्षेत्र के पांच राज्यों में कंपनियों द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर, पुरस्कार संबंधित श्रेणियों में अंतिम रूप दिए गए थे।

पुरस्कार विजेताओं का चयन डॉ. एस.एस मगर, पूर्व-कुलपति, डॉ बाबासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली और भारत के पूर्व अध्यक्ष कृषि विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली, डॉ आर.डी. मुलाय, कृषि निदेशक महाराष्ट्र और श्री डी .डी खोस, क्षेत्रीय कार्यकारी एफएआई- पश्चिमी क्षेत्र की एक समिति द्वारा चुने गए थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. डी. एस. यादव, निदेशक विपणन, एफएआई, नई दिल्ली ने उर्वरक उद्योग और भारत सरकार की नीतियों और महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रस्तुत किया। श्री राजन ने मौजूदा उर्वरक उद्योग मुद्दों पर प्रकाश डाला।

उर्वरक विपणन कंपनियों के सहयोग से कृषि समुदायों के बीच 'एकीकृत पोषक प्रबंधन' पर जागरूकता बढ़ाने और जागरूकता पैदा करने के लिए श्री एस सी मेहता द्वारा महाधन पुरस्कारों को शुरू में 2008-09 में प्रचारित और स्थापित किया गया था । पुरस्कार संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कंपनियों को दिए जाते हैं।

डॉ एस.के नंदा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, (जीएसएफसी), श्री आर.जी राजन, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (आरसीएफ), श्री अशोक घासघेस, निदेशक-विपणन (आरसीएफ), श्री जी.आर गोव्स, अध्यक्ष - कृषि व्यवसाय, श्री अरविंद कुलकर्णी, एवीपी - उर्वरक (डीएफपीसीएल), श्री वी. एस. शिरोही, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (जीएसएफसी), कैप्टन पीके कौल, निदेशक विपणन (एनएफएल), श्री जे. पी.घारिया,महाप्रबंधक (जीएनएफसी), डॉ डी. एस. यादव, निदेशक विपणन एफएआई, नई दिल्ली और श्री डी. डी. खोस, क्षेत्रीय कार्यकारी, एफएआई (पश्चिमी क्षेत्र) मुंबई बैठक के लिए उपस्थित थे।

श्री डी. डी. खोस ने 2014 में उर्वरक और कृषि परिदृश्य की समीक्षा कीऔर पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों और 2015 के लिए संभावनाओं पर चर्चा की गई।

एसोसिएशन के पश्चिमी क्षेत्र में महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गोवा जैसे कृषि प्रगतिशील राज्य शामिल हैं।

****

श्री बुरुजवले और एफएआई (पश्चिमी क्षेत्र) के श्री शेटे और श्री सतीश नर्तम और डीएफपीसीएल के श्री संजय बिराजदार ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रयास किए।

****

बायें से दायें : सतीश नर्तम, एस.एन बिरजदार, एस.आर करदुरे, जी.गोव्स, अध्यक्ष, डीएफपीसीएल, नीलेश देशमुख, आर.जी राजन, सीएमडी, आरसीएफ, सी.एम. मोरे, डॉ एस.एस.मगर, पूर्व वीसी, डॉ बी.एस के.के.वी दापोली, अरविंद कुलकर्णी,एवीपी,डीएफपीसीएल, विजयराव पाटिल, एवीपी, डीएफपीसीएल, डीडी खोस, क्षेत्रीय कार्यकारी, एफएआई (पश्चिमी क्षेत्र)।